भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 179
08/12/2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

तटीय जल की गुणवत्ता

179. श्री मस्थान राव बीडा:
श्री अयोध्या रामी रेड्डी आला:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के तटीय क्षेत्रों में तटीय जल की गुणवत्ता के संबंध में वास्तविक समय आधारित जानकारी एकत्र की जाती है और संबंधित हितधारकों के साथ साझा की जाती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार तटीय जल में उच्च प्रदूषण स्तर के मामलों के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र की वैज्ञानिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी,हां। तटीय जल की गुणवत्ता के संबंध में रीयल टाइम सूचना राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS)द्वारा चेन्नई कोच्चि और पुडुचेरी से दूर के तटीय समुद्रों में जल गुणवत्ता बुयो तैनात करके एकत्र की जाती है। इस डेटा को संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ साझा किया जाता है।

(ख) जी,हां। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने सभी तटीय राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (SPCBs) और संघ राज्य क्षेत्रों की प्रदूषण नियंत्रण समितियों (PCCs) को तटीय प्रदूषण की रोकथाम के लिए एक कार्य योजना विकसित करने के लिए राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र की सहायता लेने का निर्देश दिया है।

(ग) एनसीसीआर ने वैज्ञानिक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अनेक पहल की हैं। एनसीसीआर विशाखापत्तनम में अत्याधुनिक जल गुणवत्ता प्रयोगशाला स्थापित कर रहा है। जैविक नमूनों की पहचान और विश्लेषण के पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आणविक उपकरणों के उपयोग जैसी उन्नत तकनीकों का भी प्रयोग किया जा रहा है। एनसीसीआर दुनिया के प्रमुख समुद्र विज्ञान संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है।

*****